प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी ने इंजीनियरिंग फिजिक्स में बैचलर्स प्रोग्राम शुरू किया

अंडरग्रैजुएट विद्यार्थियों को फिजिक्स का व्यापक ज्ञान के साथ इंजीनियरिंग का ज्ञान देकर आज की प्रौद्योगिकी चुनौतियां दूर करने में सहायक होगा यह कोर्स

मंडी, 6 जून, 2019 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी अगले शिक्षा सत्र (अगस्त 2019 से आरंभ) से नया बी. टेक. प्रोग्राम शुरू करेगा। स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़ (एसबीएस), स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एवं इलैक्टिकल इंजीनियरिंग (एससीईई) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एसई) संयुक्त रूप से आईआईटी मंडी में यह प्रोग्राम आरंभ करेगा।

इंजीनियरिंग फिजिक्स में बैचलर करने के बाद परस्पर संबद्ध कई क्षेत्रों जैसे क्वांटम टेक्नोलॉजी, फोटोनिक्स, नैनो–इलैक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कॅरियर के कई द्वार खुलेंगे जो निकट भविष्य में सबसे प्रमुख होने वाले हैं।

यह कोर्स विद्यार्थियों को फिजिक्स के प्रयोग से 21 वीं सदी की समस्याओं के निदान के लिए तैयार करेगा। साथ ही, उन्हें फिजिक्सि और इंजीनियरिंग में एडवांस डिग्री हसिल होगी।

प्रोग्राम की विशिष्टता बताते हुए डॉ. प्रदीप कुमार, कोर्स कॉर्डिनेटर, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़, आईआईटी मंडी ने कहा, ''21वीं सदी परस्पर संबद्ध विभिन्न विषयों का होगा और इंजीनियरिंग फिजिक्स बुनियादी विज्ञान एवं पारंपरिक इंजीनियरिंग के विषयों को एक दूसरे के नजदीक लाएगा। इससे क्वांटम टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी चुनौतियों के लिए हमारे विद्यार्थी बेहतर तैयार होंगे।''

कोर कोर्स में फिजिक्स के बुनियादी क्षेत्रों जैसे कि क्वांटम मैकेनिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स के साथ–साथ मैथेमैटिक्स एवं इंजीनियरिंग के बेसिक कोर्स को शामिल किया गया है। इस प्रोग्राम में बतौर इलैक्टिव विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के कई कोर्स होंगे और मानवीकी एवं समाज विज्ञान की अन्य शाखाएं भी उपलब्ध होंगी। कोर्स में विकल्पों का दायरा बड़ा होने की वजह से विद्यार्थियों को उनकी अभिरुचि के विषयों का गहन अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।

इस प्रोग्राम का महत्व बताते हुए डॉ. प्रदीप परमेश्वरन, डीन (शिक्षा), आईआईटी मंडी ने कहा, ''इंजीनियरिंग के सिद्धांतों और प्रयोगों का बुनियादी आधार फिजिक्स है। आईआईटी मंडी ने गठन के समय से ही अध्ययन के विषयों की सीमाओं को चुनौती दी है और हमारे कोर्स में परस्पर संबंधित विभिन्न विषयों का नया नजरिया मिलेगा। इसलिए हमें विश्वास है कि इंजीनियरिंग फिजिक्स का यह कोर्स इसके सभी भागीदारों; इच्छुक विद्यार्थियों और उद्योग एवं शिक्षा जगत के कार्मिकों को पसंद आएगा।

इंजीनियरिंग फिजिक्स प्रोग्राम से आपस में जुड़े कई कार्य करने की क्षमता बढ़ेगी और प्योर साइंस एवं पारंपरिक इंजीनियरिंग के विषयों के बीच नजदीकी बढ़ेगी जबकि हाल तक विद्यार्थी इन्हें अलग–अलग

विषय के रूप में पढ़ते रहे हैं। पर आज परस्पर संबंधित विभिन्न विषयों को एक साथ पढ़ना जरूरी है कयोंकि अभूतपूर्व वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी कार्य ऐसे परिवेश में होते हैं जिनमें विभिन्न विषयों का आपसी तालमेल है। प्योर साइंस के वैज्ञानिक इंजीनियरों के साथ मिल कर वैज्ञानिक कार्य करते हैं। इसलिए यह अत्यावश्यक है कि वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी पहलुओं का सही समावेश किया जाए जो इंजीनियरिंग फिजिक्स के माध्यम से मुमकिन है।

###

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,300 विद्यार्थी (300 पीएचडी, 46 एमएस रिसर्च स्कॉलर) के साथ 110 फैकल्टी, स्टाफ में 150 लोगों का होना बड़ी उपलब्धि है। आईआईटी मंडी का कामंद में पूर्णतः आवासीय कैम्पस है जिसमें 1.2 लाख वर्ग मी. में भवन निर्माण हो गया है और 95,000 वर्ग मीटर में निर्माणाधीन है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (https://www.nirfindia.org/) के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2019 में आईआईटी मंडी को 20वां रैंक दिया गया। एनआईआरएफ के 'आउटरीच' और 'इन्क्लुसिवीटी' मैट्रिक्स में आईआईटी मंडी का स्थान सभी 23 आईआईटी में सर्वोच्च है।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। इनमें खास तौर से उल्लेखनी है एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) जिसकी 2013 में लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापना की गई। इसमें मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं। आईआईटी मंडी में शोध के लिए 'क्लास 100 क्लीन रूम' भी है जो भारत का ऐसा पहला और विश्वस्तरीय शोध केंद्र है। 2017 में भारत सरकार के जैवतकनीकी विभाग ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. के प्रतिष्ठित फार्मजोन प्रोजेक्ट के नेतृत्व के लिए चुना।

इसका प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम संस्थान के 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। यह संस्थान डाटा साइंस और इंजीनियरिंग में बी. टेक. कोर्स शुरू करने वाला पहला आईआईटी होगा। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार के तहत कार्य जारी हैं। सन् 2013 से 2 डब्ल्यूपीआई फैकल्टी के साथ हर साल डब्ल्यूपीआई, अमेरिका के 25 विद्यार्थी आईआईटी मंडी आते हैं।

सन् 2016 में आरंभ आईआईटी मंडी का कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। आईआईटी मंडी का एक अन्य इनोवेटिव प्रोग्राम है ईडब्ल्यूओके (इनैबलिंग वीमन ऑफ कामंद वैली) जो ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें ग्रामीण स्तर का व्यवसाय आरंभ करने में सक्षम बनाता है।

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in/ **Landline: 01905267832**
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications

Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Sairam Radhakrishnan - Footprint Global Communications
Cell: 9840108083/ Email: sairam.radhakrishnan@footprintglobal.com
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com